पूर्ति बेलोच हो तो लगान प्राप्त होगा। अतः यह साधन केवल भूमि की पूर्ति ही बेलोच है और इसलिए लगान केवल भूमि को ही प्राप्त होता है अनुचित जान है। सही में माँग की तुलना में पूर्ति का बेलोचदार होना उत्पादन के प्रत्येक साधन की विशेषता है। श्रीमति जॉनसन के अनुसार उत्पादन के किसी भी साधन की पूर्ति इस संसार में पूर्णतया लोचदार नहीं है। यहाँ तक कि भूमि भी कोई वास्तविक जीवन में पूर्णतया लोचदार नहीं है। इस प्रकार अल्पकाल में भूमि के अतिरिक्त अन्य साधनों में भी लगान का तत्व पाया जाता है क्योंकि इनकी पूर्ति स्थायी होती है इनसे जो अतिरिक्त आय प्राप्त होती है वह लगान की तरह है। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार उत्पादन के प्रत्येक साधन लगान लगान प्राप्त करने की स्थिति में होता है। श्रीमति जानसन के अनुसार "लगान के सिद्धान्त का सार उत्पादन के किसी एक साधन की प्राप्ति के उस भाग से संबंधित है, जो इसे कार्यरत रखने की अपेक्षा कुछ अधिक बचत के रूप में प्राप्त होता है।" (The essence of the conception of rent is the conception of a surplus earned by particular part of a factor of production over and above the minimum earnings necessary to induce it to do its work)

प्रो० बोल्डिंग ने भी इस संबंध में अपना विचार प्रायः इसी प्रकार से व्यक्त किया है इनके अनुसार, "आर्थिक लगान उत्पादन के किसी साधन के पुरस्कार का वह अंश है जो उसे वर्तमान उपयोग में लगाये रखने की अपेक्षा कुछ अधिक भाग के रूप में प्राप्त होता है।" (Part of the remuneration of any factor of production may be an economic surplus the more traditional name for which is economic rent. Economic rent may be defined as any payment to a unit of any factor of production which is in excess of the minimum amount necessary to

आधार पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री वॉकर (F.A. Walker) ने लाभ के लगान सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है। इनके अनुसार जिस प्रकार भूमि के विभिन्न टुकड़ों की उपजाऊ शक्ति में भिन्नता होती है ठीक उसी प्रकार विभिन्न साहसियों की व्यवहारिक योग्यता में भी भिन्नता पायी जाती है इस आधार पर वाकर के अनुसार विभिन्न साहसियों की योग्यता में कुछ भिन्नता के कारण ही अधिक योग्यता वाले साहसी को अत्याधिक अच्छा भूमि की तरह लगान के रूप में लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार यह विभेदात्मक आय जो उत्पादन के किसी भी साधन से प्राप्त होता है भूमि की विभेदात्मक आय से भिन्न नहीं है।

इस प्रकार लगान का क्षेत्र व्यापक है। उत्पादन के साधनों की असामान्य पारितोषिक के रूप में भी साधनों की आय में लगान की उपस्थिति देखा जाता है। मार्शल ने भी लगान की इस परिभाषित पर जोर दिया था। इनके अनुसार "प्रकृति के मुफ्त उपहार से लेकर स्थायी उन्नतिशील फार्म, कारखाने, वाष्प इंजन तथा कम टिकाऊ एवं धीरे-धीरे निर्मित औजार तक में भी लगान का कुछ न कुछ अंश अवश्य ही पाया जाता है।"

(In passing from the free gifts of nature though the more permanent improvements of farm and factory buildings, to steam engine etc. and finally to the less durable and slowly made implements, we find a continuous services of rents and even the rent of land is seen not as a things in itself but as the leading species of a large genus. Marshall) दूसरे शब्दों में मार्शल के अनुसार अपने मूल अर्थ में "भूमि का लगान स्वयं कोई चीज नहीं है वरन् यह एक बड़ी प्रजाति की उपजाति विशेष है।"

श्री मती जॉन रॉबिन्सन ने भी लगान के आधुनिक सिद्धान्त की स्पष्ट रूप से व्याख्या की है। इनके अनुसार लगान का प्रधान कारण उत्पादन के किसी साधन की पूर्ति का उसकी माँग की अपेक्षा कम होना है। उत्पादन का कोई भी साधन, भूमि, श्रम, पूँजी अथवा साहस जिसकी

Scanned with CamScanner

Dr. R. N. Tiwari
Deptt of Economics
A.M.D.College Shahpur Patory

Lecture No - 11

B.A. Part 1 Economics Honours
Paper - 1st

Date 29.5.2020

Name of Topic - "भूमि का लगान बड़ी प्रजाति की एक उपजाति है।" समझायें। "Rent of land is the leading species of a large genus." Explain.

लगान एक बड़ी प्रजाति की उपजाति है" (Rent is the leading of a large genus). इस संबंध में आधुनिक अर्थशास्त्रियों का कहना है कि लगान केवल भूमि को ही प्राप्त नहीं होता है। रिकार्डो के सिद्धांत के अनुसार लगान केवल अथवा अन्य प्रकृति प्रदत्त साधनों से ही संबंधित है। रिकार्डो के अनुसार भूमि प्रकृति का मुफ्त उपहार है इसलिए उसकी पूर्ति सीमित अथवा स्थायी होती है। भूमि का यह गुण उत्पादन के अन्य साधन जैसे श्रम, पूँजी एवं साधन को लगान नहीं प्राप्त होता। किन्तु आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार लगान केवल भूमि से ही नहीं वरन उत्पादन के अन्य साधनों से भी संबंधित है। इनके अनुसार सभी साधनों में कुछ न कुछ भूमि अथवा प्रकृति का तत्व यानि सिमता या सीमितता अवश्य ही पाया जाता है। अतएव इन साधनों से प्राप्त आय में भी लगान का एक अंश अवश्य ही वर्तमान रहता है। इस प्रकार आधुनिक अर्थशास्त्री लगान को केवल भूमि की ही विशेषता नहीं मानते। जिस प्रकार भूमि विभिन्न टुकड़ों की उपजाऊ शक्ति में भिन्नता होती है उसी प्रकार उत्पादकता के अन्य साधनों में सभी इकाइयाँ एक समान योग्यता नहीं होती। उदाहरण के लिए किसी एक कारखाने का यंत्र दूसरे कारखाने से अच्छा हो सकता है उसी प्रकार कोई एक मजदूर किसी दूसरे मजदूर की अपेक्षा अधिक उत्तम तरीके से और ज्यादा कार्य कर सकता है। ऐसी स्थिति में ऐसे मजदूर को भी समान मजदूरों की अपेक्षा अधिक आय प्राप्त होती है। इस प्रकार उत्पादन के अन्य साधनों को उत्पादन के कार्य में अधिक योग्यता के कारण जो अतिरिक्त आय प्राप्त होती है वह भी भूमि के अतिरिक्त उपज से भिन्न नहीं होता इसी

Keep that factor in its present occupation.)

इससे स्पष्ट है कि लगान केवल भूमि को ही प्राप्त नहीं होता वरन् उत्पादन के किसी भी साधन को जिसकी उत्पादकता सामान्य उत्पादकता से कुछ अधिक हो प्राप्त हो सकता है। इस संबंध में मार्शल का यह कथन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है: "यदि उत्पादन के किसी भी साधन की पूर्ति किसी दिये हुए समय में सीमित हो तथा उसमें मानवीय प्रयत्नों के द्वारा कुछ भी वृद्धि नहीं की जा सकती हो तो उससे प्राप्त आय की गणना लाभ में नहीं करके लगान में करनी चाहिए।"

(If the supply of any factor of production is limited and incapable of which increase by man's efforts in any given period of time, then the income to be derived from it is to be regarded as in the nature of rent rather than profit - Marshall)

इसका अर्थ यह नहीं है कि आधुनिक उत्पादन के अन्य साधनों और भूमि अथवा लगान में कोई अन्तर नहीं है। इनमें एक महत्वपूर्ण अन्तर यह है कि भूमि की पूर्ति पूर्ण बेलोचदार रहती है, श्रम एवं पूंजी की पूर्ति केवल अल्पकाल में ही बेलोचदार होती है यह अल्पकाल दीर्घकाल पुनः उत्पादन की अवधि पर निर्भर करता है। इस प्रकार आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार उत्पादन के किसी भी साधन जिसकी पूर्ति लोचदार नहीं होती लगान प्राप्त होता है।

Lecture No-41
B.A Part one Economics Hons.
Paper - 1st
Dated - 29.5.2020.

Dr. R. N. Tiwari
Deptt of Economics
A.N.D.C Shahpur Patory

Scanned with CamScanner